regards corruption. These two things are different and one cannot be mixed up with the other.

SHRI B. RACHAIAH: This is relating to Karnataka....

MR. SPEAKER: Qn. No. 1051.

SHRI B. RACHAIAH: This will be very unfair. I am sorry.

MR SPEAKER: No. no. I have already allowed two Members from Karnataka. Qn. No. 1051.

स्टेशन डायरेक्टर के पद पर पदोन्नति करने का मानदण्ड

*1051. **श्री राममूर्ति :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आकाशवाणी में स्टेशन डायरेक्टर के पद पर पदोन्नति के लिये असिस्टेंट स्टेशन डायरेक्टर के रूप में पांच वर्ष की सेवा आवश्यक है;

(ख) क्या उक्त विभाग ने इस अवधि को कम करने के लिये संघ लोक सेवा आयोग को लिखा है और सुझाव दिया है कि असिस्टेंट स्टेशन डायरेक्टरों को सीमित प्रतियोगिता के आधार पर साक्षात्कार के बाद डायरेक्टर के पद पर पदोन्नत कर देना चाहिये ;

(ग) क्या वर्घीस समिति ने अपने प्रतिवेदन में कर्मचारियों के चयन की नयी पद्धति की सिफारिश की है जिससे आकाशवाणी और दूरदर्शन में उच्च पदों के लिए सक्षम और विशेषज्ञ व्यक्तियों को आकर्षित किया जा सके ; और

(घ) क्या सरकार का विचार पदोन्नति के नियमों में उपरोक्त रियायत को उपरोक्त प्रतिवेदन के स्वीकार होने या अस्वीकार होने तक स्थगित करने का है ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) Under the existing recruitment rules for the posts of Station Director (Ordinary Grade), All India Radio, 75 per cent of the posts in this grade are filled by promotion through Departmental Promotion Committee presided over by a Member of the UPSC, from the following categories:

"(i) Assistant Station Dircetors with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.

(ii) Failing (i) above, officers with 10 years' service in the grades of Assistant Station Director and Programme Executive combined together rendered after appointment thereto on a regular basis

(iii) Failing (i) and (ii) above, officers with 10 years service as Programme Executive either as Ordinary Grade or as Selection Grade or both"

Selection from officers mentioned at (ii) and (iii) is made through interview to be conducted by the Union Public Service Commission, by associating two or more independent experts also with the Interview Board, in addition to the members of the Departmental Promotion Committee.

(b) No Sir

(c) The Verghese Committee on Autonomy for Akashvani and Doordarshan has recommended that while there would be need to infuse fresh blood and ideas to ensure the best talents for sensitive senior posts, it has also admitted In its report the need to provide promotional avenues from lower ranks to the senior ranks.

(d) Does not arise.

श्री राममूर्ति : क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि सामान्यत: इस नियम के रहते हुए कि कोई भी व्यक्ति यदि पांच साल तक एसिस्टेंट डायरेक्टर रहता है, तो वह डायरेक्टर की पोस्ट के लिये एलिजिबिल

हो जाता है, इस बात की कोशिश की जा रही है कि डिपार्टमेन्ट के अन्दर नपोटिज्म और फेवरेटिज्म को ज्यादा बढ़ावा दिया जाय और जो लोग काबिल नही हैं, यह कह कर कि वे प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव है, उन को पदोन्नति मे शामिल किया गया, जरूरत से ज्यादा रिलैक्सेशन देकर, जिनकी जरूरत नही थी उनकी भी पदोन्नति की गयी, उनका स्टेशन डायरैक्टर बनने का मौका दिया गया मैं जानना चाहता हू कि ऐसा क्या किया गया ?

श्री लाल कृष्ण अडवाणी : अध्यक्ष जी, य० पी० एस० सी० के द्वारा सिलैकशन हो, डी० पी० सी० के द्वारा सिलैकशन हो, उस म भी बाहर के इण्डिपेन्डेन्ट लोगो को सम्बद्ध किया जाता है, इससे ज्यादा और क्या प्रीकौशन ली जा सकती है । जो भी सिलैक्शन हो वह प्योरिली मैरिट्स पर हो और हमारी तरफ से जो भी नियम बनते हैं उस मे इस बात की कोशिश होती है कि किसी प्रकार का पक्षपात न हो, योग्यता के आधार पर फैसला हो । यह सही है कि एसिस्टेंट स्टेशन डायरैक्टर मे पाच साल का एक्सपीरियेंस वाले कम होने की वजह से रिलैक्सेशन देना पडा जिन्होंने एसिस्टेंट डायरेक्टर और प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव के रूप मे कुल मिला कर 10 साल काम किया हो वे एलिजिबिल हो सकते हैं । मैं नही समझता कि इस से कोई आपत्ति की बात हैं, क्योंकि हमारे यहां प्रासेस आफ-सिलेक्शन बहुत स्ट्रिक्ट है ।

श्री रामसूर्ति : मत्री जी के जवाब के अनुसार जहां लोग 3 महीने तक एसिस्टेंट डायरैक्टर रहे है उन को भी प्रमोशन करने के नजरिये से प्रमोशन दे दिया गया है । मेरा दूसरा सवाल यह है कि वर्गीज कमेटी की रिपोर्ट आ गई है कि फ्रैश-ब्लड लिया जाय, इन्टैलिजेन्ट लोगो को लिया जाय, तो क्या यह मुनासिब नही था कि थोड़े दिनो तक इन्तजार कर लिया जाता, ताकि जो अगली पॉलिसी आती, उसमे अच्छे लोग आ सकते, ऐसी मत्री जी की इच्छा भी है कि अच्छे लोग आयें ?

श्री लाल कृष्ण अडवाणी : मैं ने पहले भी कहा कि एसिस्टेंट स्टेशन डाइरैक्टर तीन महीने वाला भी हो सकता है। ऐसा हो सकता है और मैं इस से इन्कार नही करता क्योंकि प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव वह 10 साल रहा होगा और प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव जो है, उसके लिए जो मिनिमम योग्यता चाहिए वह भी बहुत बडी है कम नही है। प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव अपनी पोस्ट पर स्टेगनेट करता रहे और प्रगति न कर पाए, ऐसा कोई भी नही चाहेगा। वर्गीस कमेटी ने भी इस बात पर बल दिया है कि जहां नया रिक्रूटमेंट होता है, वहा प्रोमोशन के द्वारा भी लोगो को प्रगति करने का चान्स मिलना चाहिए, इस की भी चिन्ता रहनी चाहिए।

SHRI P VENKATASUBBAIAH Verghese Committee recommended that there can be fresh recruitment so that people with good talents can be drawn into AIR There are certain people who may not be able to fulfil the academic qualifications, but they may be experts in their fields May I know whether the question of giving relaxation in age and academic qualifications for such people is engaging the attention of the Minister Also may I know whether when Assistant Directors are posted to various regions care will be taken to appoint such people who are conversant with the regional language who know the place and the artistes whom they can take into confidence for making the programmes more useful, purposeful and educative?

SHRI L K ADVANI Everyone would appreciate that both the view points have to be reconciled, namely the need to infuse new blood as well

as to ensure that the promotion channels of those who have been there in the institution for a long time are not blocked. Otherwise, it would create complications. About the other point in the case of All India Services, familiarity or being conversant with the regional language is an advantage, but that can never be made a hard and fast rule.

Mr. SPEAKER: He asked about age relaxation.

SHRI L. K. ADVANI: It depends upon the nature of the assignment and the post

Mineral Science Research Complex in Orissa

*1053. SHRI RAMA CHANDRA MALLICK: Will the Minister of ATOMIC ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Union Government have sanctioned a Mineral Science Research Complex in Orissa under the aegis of Indian Rare Earth Ltd. (I.R.E.), a public sector undertaking;

(b) the total estimated investment on the project and the total investment required;

(c) the total annual output in quantity and value;

(d) when the plant will be completed;

(e) how many tonnes of synthetic rutile will be produced; and

(f) the name of the place and district where this plant will be installed and details of the project?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) In January 1978, the Union Government approved the revised cost estimates for setting up a Mineral Sands Complex (OSCOM Project) by Indian Rare Earth Ltd., consisting of a Mineral Sands Separation Plant and a Synthetic Rutile Plant along with the necessary ancillary/auxiliary facilities such as railway siding, water supply scheme, housing scheme etc. at Chatrapur, Orissa.

(b) The total estimated investment on the Project sanctioned by the Government is Rs. 85.67 crores, which include Government financial assistance to the extent of Rs. 42 crores.

(c) and (e). The estimated annual output in terms of quantity and value is as under:

Name of Plant and Product	Production capacity in tonnes per annum	Value in Rupees lakhs (Sales revenue)
Mineral Sands Separation Plant :		
(a) Ilmenite (entirely for captive consumption in synthetic Rutile Plant)	2,20,000	..
(b) Rutile	10,000	265·45
(c) Zircon	2,000	17·70
(*d*) Sillimanite	30,000	159·27
(*e*) Monazite	4,000	13·20
Synthetic Rutile Plant :		
(a) Synthetic Rutile	94,850	2098·13
(*b*) Hitox	5,000	175·00
TOTAL		2728·75
or say		2729·00